Demand Elasticity / मांग लोच

- Demand elasticity tells us how sensitive the demand for a product is to changes in its price.
- मांग लोच हमें बताती है कि किसी उत्पाद की मांग उसकी कीमत में परिवर्तन के प्रति कितनी संवेदनशील है।

It is calculated as: / इसे इस प्रकार मापा जाता है:

- % change in quantity demanded ÷ % change in price
- मांगी गई मात्रा में % परिवर्तन ÷ कीमत में % परिवर्तन

Price -2%
Demand 20%+

- If demand is elastic, a small change in price causes a big change in demand.
- यदि मांग लोचदार है, तो कीमत में थोड़ा सा परिवर्तन मांग में बड़ा परिवर्तन लाता है।
- If demand is inelastic, a change in price causes only a small change in demand.
- यदि मांग अलोचदार है, तो कीमत में परिवर्तन से मांग में केवल थोड़ा परिवर्तन होता है।
- Demand elasticity helps us understand how price changes affect consumer behavior and total revenue. / मांग लोच हमें यह समझने में मदद करती है कि कीमत में परिवर्तन उपभोक्ता व्यवहार और कुल आय को कैसे प्रभावित करता है।

Supply Elasticity / आपूर्ति लोच

- ❖ Supply elasticity shows how much the quantity supplied changes when the price changes.
- ❖ आपूर्ति लोच यह दर्शाती है कि कीमत बदलने पर आपूर्ति की गई मात्रा में कितना परिवर्तन होता है।

It is calculated as / इसे इस प्रकार मापा जाता है:

- ❖ % change in quantity supplied ÷ % change in price
- ❖ आपूर्ति की गई मात्रा में % परिवर्तन ÷ कीमत में % परिवर्तन
- ❖ If supply is elastic, a small change in price leads to a large change in supply.
- ❖ यदि आपूर्ति लोचदार है, तो कीमत में थोड़ा सा परिवर्तन आपूर्ति में बड़ा परिवर्तन लाता है।
- ❖ If supply is inelastic, price changes have only a small effect on supply.
- ❖ यदि आपूर्ति अलोचदार है, तो कीमत में परिवर्तन का आपूर्ति पर बहुत कम प्रभाव पड़ता है।
- ❖ Supply elasticity helps explain how easily producers can increase or decrease production when prices change. / आपूर्ति लोच यह समझाने में मदद करती है कि कीमत बदलने पर उत्पादक कितनी आसानी से उत्पादन बढ़ा या घटा सकते हैं।

Important Points / महत्वपूर्ण बिंदु

❖ **Elasticity depends on factors like:**

लोच निम्नलिखित कारकों पर निर्भर करती है:

- ✓ Availability of substitutes / विकल्पों की उपलब्धता
- ✓ Time period / समय अवधि
- ✓ Whether the good is a necessity or a luxury / वस्तु आवश्यक है या विलासिता की

❖ **Elasticity values:**

लोच के मान:

- ✓ Greater than 1 → Elastic (high responsiveness) / 1 से अधिक → लोचदार (उच्च संवेदनशीलता)
- ✓ Less than 1 → Inelastic (low responsiveness) / 1 से कम → अलोचदार (कम संवेदनशीलता)

Difference between Demand and Supply

Demand	Supply
It shows the willingness and ability of consumers to buy a product at a given price.	It shows the willingness and ability of producers to sell a product at a given price.
It tells how much of a product consumers want to buy at different prices.	It tells how much of a product producers are ready to sell at different prices.
It depends on factors like consumer preferences, income, prices of related goods, and expectations.	It depends on factors like production cost, technology, government rules, and availability of resources.
It follows the law of demand: when price increases, demand decreases (and vice versa).	It follows the law of supply: when price increases, supply increases (and vice versa).
The demand curve usually slopes downward.	The supply curve usually slopes upward.
Along with supply, it helps decide the market price and quantity.	Along with demand, it helps decide the market price and quantity.
Demand changes due to factors like income, tastes, or prices of related goods.	Supply changes due to factors like cost of production, technology, or government policies.
Elasticity of demand measures how demand changes with price.	Elasticity of supply measures how supply changes with price.

Difference between Demand and Supply

मांग (Demand)	आपूर्ति (Supply)
यह दर्शाती है कि उपभोक्ता किसी वस्तु को एक निश्चित कीमत पर खरीदने की **इच्छा और क्षमता** रखते हैं।	यह दर्शाती है कि उत्पादक किसी वस्तु को एक निश्चित कीमत पर बेचने की **इच्छा और क्षमता** रखते हैं।
यह बताती है कि उपभोक्ता अलग-अलग कीमतों पर किसी वस्तु की **कितनी मात्रा खरीदना चाहते हैं**।	यह बताती है कि उत्पादक अलग-अलग कीमतों पर किसी वस्तु की **कितनी मात्रा बेचने के लिए तैयार हैं**।
यह उपभोक्ताओं की **पसंद**, **आय**, **संबंधित वस्तुओं की कीमत**, और **भविष्य की अपेक्षाओं** जैसे कारकों पर निर्भर करती है।	यह **उत्पादन लागत**, **प्रौद्योगिकी**, **सरकारी नियमों**, और **संसाधनों की उपलब्धता** जैसे कारकों पर निर्भर करती है।
यह **मांग के नियम** का पालन करती है: जब कीमत बढ़ती है, तो मांग घटती है (और इसके विपरीत)।	यह **आपूर्ति के नियम** का पालन करती है: जब कीमत बढ़ती है, तो आपूर्ति बढ़ती है (और इसके विपरीत)।
मांग वक्र (Demand Curve) सामान्यतः **नीचे की ओर ढलान** वाला होता है।	**आपूर्ति वक्र (Supply Curve)** सामान्यतः **ऊपर की ओर ढलान** वाला होता है।
आपूर्ति के साथ मिलकर, यह **बाजार मूल्य और मात्रा** तय करने में मदद करती है।	मांग के साथ मिलकर, यह **बाजार मूल्य और मात्रा** तय करने में मदद करती है।
मांग में परिवर्तन **आय**, **रुचि/पसंद**, या **संबंधित वस्तुओं की कीमतों** जैसे कारकों के कारण होता है।	आपूर्ति में परिवर्तन **उत्पादन लागत**, **प्रौद्योगिकी**, या **सरकारी नीतियों** जैसे कारकों के कारण होता है।
मांग की लोच (Elasticity of Demand) यह मापती है कि कीमत बदलने पर मांग कितनी बदलती है।	**आपूर्ति की लोच (Elasticity of Supply)** यह मापती है कि कीमत बदलने पर आपूर्ति कितनी बदलती है।

Demand and Supply Equilibrium
मांग और आपूर्ति का संतुलन

Demand-supply equilibrium is the point in a market where the quantity demanded by consumers is equal to the quantity supplied by producers.
मांग-आपूर्ति संतुलन वह बिंदु है जहाँ बाज़ार में उपभोक्ताओं द्वारा मांगी गई मात्रा, उत्पादकों द्वारा आपूर्ति की गई मात्रा के बराबर होती है।

At this point / इस बिंदु पर:

- ✓ **Buyers and sellers agree on a price / खरीदार और विक्रेता एक कीमत पर सहमत होते हैं**
- ✓ **There is no shortage or surplus in the market / बाज़ार में न तो कमी होती है और न ही अधिशेष**
- ✓ **The market is in balance / बाज़ार संतुलन में होता है**

Importance of equilibrium:
संतुलन का महत्व:

- It decides the market price and quantity
- यह बाज़ार की कीमत और मात्रा निर्धारित करता है
- It shows a stable market condition
- यह बाज़ार की स्थिर स्थिति को दर्शाता है
- It helps businesses make better decisions
- यह व्यवसायों को बेहतर निर्णय लेने में मदद करता है
- It helps the government in making economic policies
- यह सरकार को आर्थिक नीतियाँ बनाने में सहायता करता है

Demand and Supply Curve
मांग और आपूर्ति वक्र

- Demand and supply curves are graphs that show the relationship between price and quantity in a market.
- मांग और आपूर्ति वक्र ऐसे ग्राफ होते हैं जो बाज़ार में कीमत और मात्रा के बीच संबंध को दर्शाते हैं।
- The demand curve slopes downward → when price falls, demand increases
- मांग वक्र नीचे की ओर ढलान करता है → जब कीमत घटती है, तो मांग बढ़ती है
- The supply curve slopes upward → when price rises, supply increases
- आपूर्ति वक्र ऊपर की ओर ढलान करता है → जब कीमत बढ़ती है, तो आपूर्ति बढ़ती है
- These curves were explained by economist Alfred Marshall.
- इन वक्रों की व्याख्या अर्थशास्त्री अल्फ्रेड मार्शल ने की थी।

Equilibrium Point (Graph Explanation)
संतुलन बिंदु (ग्राफ की व्याख्या)

- The point where demand and supply curves meet is called the equilibrium point
- जहाँ मांग और आपूर्ति वक्र एक-दूसरे को काटते हैं, उसे संतुलन बिंदु कहा जाता है
- The price at this point is called equilibrium price (P)*
- इस बिंदु पर जो कीमत होती है, उसे संतुलन मूल्य (P) कहा जाता है*
- The quantity at this point is called equilibrium quantity (Q)*
- इस बिंदु पर जो मात्रा होती है, उसे संतुलन मात्रा (Q) कहा जाता है*
- At this point, the market is perfectly balanced.
- इस बिंदु पर बाज़ार पूर्ण रूप से संतुलित होता है।

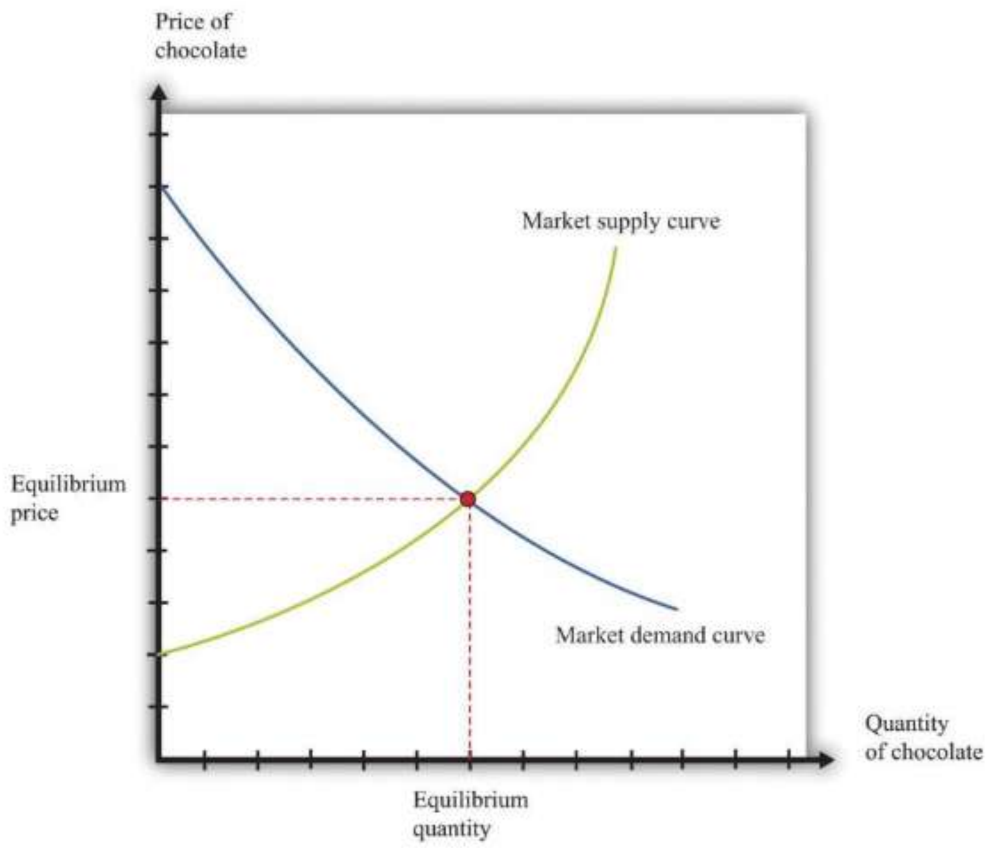

Uses of Demand and Supply Curve
मांग और आपूर्ति वक्र के उपयोग

Price Determination / मूल्य निर्धारण:

- Demand and supply help decide the market price where demand equals supply.
- मांग और आपूर्ति उस बाज़ार मूल्य को निर्धारित करने में मदद करते हैं जहाँ मांग और आपूर्ति बराबर होती हैं।

Market Analysis/ बाज़ार विश्लेषण:

- These curves help us understand market conditions, trends, and changes, so better decisions can be made.
- ये वक्र हमें बाज़ार की स्थितियों, प्रवृत्तियों और परिवर्तनों को समझने में मदद करते हैं, जिससे बेहतर निर्णय लिए जा सकते हैं।

Forecasting / पूर्वानुमान:

- They help predict future market situations based on changes in demand or supply.
- ये मांग या आपूर्ति में होने वाले परिवर्तनों के आधार पर भविष्य की बाज़ार स्थिति का अनुमान लगाने में मदद करते हैं।

Policy Making / नीति निर्माण:

- Governments use these curves to study the effects of economic policies and to make better plans for the market.
- सरकारें इन वक्रों का उपयोग आर्थिक नीतियों के प्रभावों का अध्ययन करने और बाज़ार के लिए बेहतर योजनाएँ बनाने में करती हैं।

Demand and Supply Applications
मांग और आपूर्ति के अनुप्रयोग

- **Demand and supply are very useful in economics and are applied in many real-life situations.**
- **मांग और आपूर्ति अर्थशास्त्र में बहुत उपयोगी हैं और इनका प्रयोग कई वास्तविक जीवन की स्थितियों में किया जाता है।**

Main Applications / मुख्य अनुप्रयोग

Pricing and Revenue Management:
मूल्य निर्धारण और राजस्व प्रबंधन:

- **Businesses use demand and supply to set the best price for their products.**
- **व्यवसाय अपनी वस्तुओं के लिए सर्वोत्तम मूल्य निर्धारित करने हेतु मांग और आपूर्ति का उपयोग करते हैं।**
- **Example: Airlines change ticket prices based on peak travel seasons and competition.**
- **उदाहरण: एयरलाइंस यात्रा के व्यस्त मौसम और प्रतिस्पर्धा के आधार पर टिकट की कीमतें बदलती हैं।**

100 Q चावल
50 Q खपत | 30 Q Export

Market Forecasting / बाज़ार पूर्वानुमान:

- It helps predict future market trends by studying past demand and supply patterns.
- यह मांग और आपूर्ति के पिछले पैटर्न का अध्ययन करके भविष्य की बाज़ार प्रवृत्तियों का अनुमान लगाने में मदद करता है।
- Example: Clothing stores predict customer preferences to manage their stock.
- उदाहरण: कपड़ों की दुकानें अपने स्टॉक को प्रबंधित करने के लिए ग्राहकों की पसंद का अनुमान लगाती हैं।

Animal

Government Policy Making/ सरकारी नीति निर्माण:

- Governments use demand and supply to create effective economic policies.
- सरकारें प्रभावी आर्थिक नीतियाँ बनाने के लिए मांग और आपूर्ति का उपयोग करती हैं।
- Example: Changing taxes or giving subsidies to increase or decrease demand.
- उदाहरण: मांग बढ़ाने या घटाने के लिए करों में परिवर्तन करना या सब्सिडी देना।

Investment Decisions / निवेश निर्णय:

- Investors study demand and supply to find good investment opportunities.
- निवेशक अच्छे निवेश अवसर खोजने के लिए मांग और आपूर्ति का अध्ययन करते हैं।
- Example: Investing in renewable energy based on its growing demand.
- उदाहरण: बढ़ती मांग के आधार पर नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश करना।

Resource Allocation / संसाधन आवंटन:

- It helps in using resources efficiently by understanding demand and supply needs.
- यह मांग और आपूर्ति की आवश्यकताओं को समझकर संसाधनों के कुशल उपयोग में मदद करता है।
- Example: Investing in education to meet the demand for skilled workers in technology.
- उदाहरण: प्रौद्योगिकी में कुशल श्रमिकों की मांग को पूरा करने के लिए शिक्षा में निवेश करना।

Classification of Goods
वस्तुओं का वर्गीकरण

- Goods in economics are classified on different bases such as income, relationship, nature, and use.
- अर्थशास्त्र में वस्तुओं का वर्गीकरण आय, संबंध, प्रकृति और उपयोग जैसे विभिन्न आधारों पर किया जाता है।

1. Classification Based on Income / आय के आधार पर वर्गीकरण

Normal Goods / सामान्य वस्तुएँ:

- Goods for which demand increases when consumer income increases, and decreases when income falls.
- वे वस्तुएँ जिनकी मांग उपभोक्ता की आय बढ़ने पर बढ़ती है और आय घटने पर घटती है।
- Example: Clothes, electronics / उदाहरण: कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स

Inferior Goods / हीन वस्तुएँ:

- Goods for which demand decreases when income increases, as consumers switch to better alternatives.
- वे वस्तुएँ जिनकी मांग आय बढ़ने पर घटती है, क्योंकि उपभोक्ता बेहतर विकल्पों की ओर चले जाते हैं।
- Example: Cheap food, public buses/ उदाहरण: सस्ता भोजन, सार्वजनिक बसें

Luxury Goods / विलासिता की वस्तुएँ:

- Goods for which demand increases more than proportionately with an increase in income.
- वे वस्तुएँ जिनकी मांग आय बढ़ने पर अनुपात से अधिक बढ़ती है।
- Example: Cars, designer items / उदाहरण: कारें, डिज़ाइनर वस्तुएँ

Necessities / आवश्यक वस्तुएँ:

- Goods that are essential for basic living, and their demand does not change much with income.
- वे वस्तुएँ जो जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं के लिए जरूरी होती हैं और जिनकी मांग आय में परिवर्तन से अधिक प्रभावित नहीं होती।
- Example: Food, water, medicines / उदाहरण: भोजन, पानी, दवाइयाँ

2. Classification Based on Relationship Between Goods / वस्तुओं के बीच संबंध के आधार पर वर्गीकरण

Substitute Goods / प्रतिस्थापन वस्तुएँ:

- Goods that can replace each other, so an increase in the price of one increases the demand for the other.
- वे वस्तुएँ जो एक-दूसरे का स्थान ले सकती हैं, इसलिए एक की कीमत बढ़ने पर दूसरी की मांग बढ़ जाती है।
- Example: Tea and coffee / उदाहरण: चाय और कॉफी

Complementary Goods/ पूरक वस्तुएँ:

- Goods that are used together, so an increase in the price of one decreases the demand for the other.
- वे वस्तुएँ जो साथ में उपयोग की जाती हैं, इसलिए एक की कीमत बढ़ने पर दूसरी की मांग घट जाती है।
- Example: Car and petrol / उदाहरण: कार और पेट्रोल

3. Classification Based on Nature / प्रकृति के आधार पर वर्गीकरण

Private Goods / निजी वस्तुएँ:

- Goods that are owned by individuals and are both excludable and rival in consumption. / वे वस्तुएँ जो व्यक्तियों के स्वामित्व में होती हैं और जिनका उपभोग अपवर्जनीय तथा प्रतिस्पर्धी (Rival) होता है।
- Example: Mobile phone, car / उदाहरण: मोबाइल फोन, कार

Tangible Goods / मूर्त वस्तुएँ:

- Goods that have a physical form and can be touched. / वे वस्तुएँ जिनका भौतिक रूप होता है और जिन्हें छुआ जा सकता है।
- Example: Table, book / उदाहरण: मेज, पुस्तक

Intangible Goods / Services / अमूर्त वस्तुएँ / सेवाएँ:

- Goods that do not have a physical form and cannot be touched. / वे वस्तुएँ या सेवाएँ जिनका भौतिक रूप नहीं होता और जिन्हें छुआ नहीं जा सकता।
- Example: Education, healthcare / उदाहरण: शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा

4. Classification Based on Use / उपयोग के आधार पर वर्गीकरण

Consumer Goods/ उपभोक्ता वस्तुएँ:

- Goods that are used directly by consumers to satisfy their wants. / वे वस्तुएँ जिनका उपयोग उपभोक्ता अपनी आवश्यकताओं या इच्छाओं की पूर्ति के लिए सीधे करते हैं।
- Example: Food, clothes / उदाहरण: भोजन, कपड़े

Capital Goods / पूंजीगत वस्तुएँ:

- Goods that are used to produce other goods and services. / वे वस्तुएँ जिनका उपयोग अन्य वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन में किया जाता है।
- Example: Machines, tools / उदाहरण: मशीनें, औज़ार

Final Goods/ अंतिम वस्तुएँ:

- Goods that are ready for final consumption and not used for further production./ वे वस्तुएँ जो अंतिम उपभोग के लिए तैयार होती हैं और आगे के उत्पादन में उपयोग नहीं की जातीं।
- Example: Bread / उदाहरण: ब्रेड

Intermediate Goods / मध्यवर्ती वस्तुएँ:

- Goods that are used as inputs in the production of other goods. / वे वस्तुएँ जो अन्य वस्तुओं के उत्पादन में इनपुट के रूप में उपयोग की जाती हैं।
- Example: Flour used to make bread / उदाहरण: ब्रेड बनाने में उपयोग किया जाने वाला आटा

गेहूं → आटा → ब्रेड

Durable Goods / टिकाऊ वस्तुएँ:

- Goods that can be used repeatedly over a long period of time. / वे वस्तुएँ जिनका उपयोग लंबे समय तक बार-बार किया जा सकता है।
- Example: Refrigerator, car / उदाहरण: रेफ्रिजरेटर, कार

Non-Durable Goods / अटिकाऊ वस्तुएँ:

- Goods that are consumed quickly or in a short time. / वे वस्तुएँ जिनका उपभोग जल्दी या कम समय में हो जाता है।
- Example: Milk, food items / उदाहरण: दूध, खाद्य पदार्थ

1. Giffen Goods / गिफेन वस्तुएँ

Definition / परिभाषा:

- **Giffen goods are a type of inferior goods for which demand increases when the price increases, violating the law of demand.** → P↑ D↓
- **गिफेन् वस्तुएँ हीन वस्तुओं का एक प्रकार हैं, जिनकी कीमत बढ़ने पर उनकी मांग भी बढ़ जाती है, जिससे मांग के नियम का उल्लंघन होता है।**

Key Point / मुख्य बिंदु:

- **Strong income effect dominates substitution effect**
- **आय प्रभाव, प्रतिस्थापन प्रभाव से अधिक शक्तिशाली होता है**

Example:

» **Cheap staple foods like rice or bread (in very poor households)**

» **सस्ते मुख्य खाद्य पदार्थ जैसे चावल या ब्रेड (बहुत गरीब परिवारों में)**

2. Conspicuous Goods (Veblen Goods)
प्रदर्शनकारी वस्तुएँ (वेब्लेन वस्तुएँ)

Definition / परिभाषा:

- **Conspicuous goods are luxury goods for which demand increases as the price increases, because people buy them to show status or prestige.**
- **प्रदर्शनकारी वस्तुएँ विलासिता की वस्तुएँ होती हैं, जिनकी कीमत बढ़ने पर उनकी मांग भी बढ़ती है, क्योंकि लोग उन्हें अपना रुतबा या प्रतिष्ठा दिखाने के लिए खरीदते हैं।**

Key Point / मुख्य बिंदु:

- **Higher price = higher status value**
- **अधिक कीमत = अधिक प्रतिष्ठा मूल्य**

Example:

» **Designer clothes, luxury cars, expensive watches**

» **डिज़ाइनर कपड़े, लग्ज़री कारें, महंगी घड़ियाँ**

3. Speculative Goods / सट्टात्मक वस्तुएँ

Definition / परिभाषा:

- **Speculative goods are goods for which demand increases when prices are rising, because people expect prices to rise further in the future.**
- **सट्टात्मक वस्तुएँ वे वस्तुएँ हैं जिनकी कीमत बढ़ने पर उनकी मांग भी बढ़ती है, क्योंकि लोगों को उम्मीद होती है कि भविष्य में उनकी कीमत और बढ़ेगी।**

Key Point / मुख्य बिंदु:

- **Based on future expectations**
- **भविष्य की अपेक्षाओं पर आधारित**

Example:

» **Gold, stocks, real estate**

» **सोना, शेयर, अचल संपत्ति**

4. Substitute Goods / प्रतिस्थापन वस्तुएँ

Definition / परिभाषा:

- **Substitute goods are goods that can replace each other, so when the price of one good increases, the demand for the other increases.**
- **प्रतिस्थापन वस्तुएँ वे वस्तुएँ हैं जो एक-दूसरे का स्थान ले सकती हैं, इसलिए जब एक वस्तु की कीमत बढ़ती है, तो दूसरी की मांग बढ़ जाती है।**

Key Point / मुख्य बिंदु:

- **Positive relationship between price of one and demand of the other**
- **एक वस्तु की कीमत और दूसरी वस्तु की मांग के बीच सकारात्मक संबंध होता है**

Example:

» **Tea and coffee, butter and margarine**

» **चाय और कॉफी, मक्खन और मार्जरीन**

TIME TO
PRACTICE

Question : 01

Which of the following is NOT an exception to the 'Law of Demand'?

निम्नलिखित में से कौन-सा 'मांग के नियम' (Law of Demand) का अपवाद नहीं है?

[SSC Phase 13, 25/07/2025]

(a) Giffen goods / गिफेन वस्तुएँ

(b) Conspicuous goods / दिखावटी वस्तुएँ

(c) Speculative goods / सट्टात्मक वस्तुएँ

(d) Substitute goods / स्थानापन्न वस्तुएँ

ANSWER : (c)

Question : 02

What is the term for the situation where demand exceeds supply in a market?

बाजार में मांग के आपूर्ति से अधिक होने की स्थिति को क्या कहा जाता है?

[SSC Phase 13, 26/07/2025]

(a) Surplus / अधिशेष

(b) Equilibrium / संतुलन

(c) Shortage / कमी

(d) Deflation / अपस्फीति

ANSWER : (c)

Question : 03

Which curve in microeconomics shows the relationship between price and quantity demanded?

सूक्ष्मअर्थशास्त्र में कौन-सी वक्र कीमत और मांग की गई मात्रा के बीच संबंध को दर्शाती है?

[SSC Phase 13, 26/07/2025]

(a) Supply curve / आपूर्ति वक्र

(b) Demand curve / मांग वक्र

(c) Production curve / उत्पादन वक्र

(d) Cost curve / लागत वक्र

ANSWER : (b)

Question : 04

Consider the following statements about market equilibrium:

बाजार संतुलन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

Statement I: In equilibrium, the quantity that all firms wish to sell equals the quantity all consumers want to buy.

कथन I: संतुलन में, वह मात्रा जिसे सभी फर्में बेचना चाहती हैं, वह मात्रा के बराबर होती है जिसे सभी उपभोक्ता खरीदना चाहते हैं।

Statement II: Excess supply exists when the market demand is greater than the market supply.

कथन II: जब बाजार मांग, बाजार आपूर्ति से अधिक होती है, तब अधिक आपूर्ति (Excess supply) होती है।

Which of the above statements is/are correct? / उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

[SSC Phase 13, 30/07/2025]

(a) Only Statement I is correct / केवल कथन I सही है

(b) Only Statement II is correct / केवल कथन II सही है

(c) Both statements are correct / दोनों कथन सही हैं

(d) Neither statement is correct / कोई भी कथन सही नहीं है

ANSWER : (a)

Question : 05

Which curve is typically U-shaped due to the law of variable proportions?

परिवर्ती अनुपात के नियम (Law of Variable Proportions) के कारण कौन-सी वक्र सामान्यतः U-आकार की होती है?

[SSC Steno, 07/08/2025, Shift-2]

(a) Average Fixed Cost Curve / औसत स्थिर लागत वक्र

(b) Average Variable Cost Curve / औसत परिवर्ती लागत वक्र

(c) Total Fixed Cost Curve / कुल स्थिर लागत वक्र

(d) Marginal Revenue Curve / सीमांत राजस्व वक्र

Types of Market

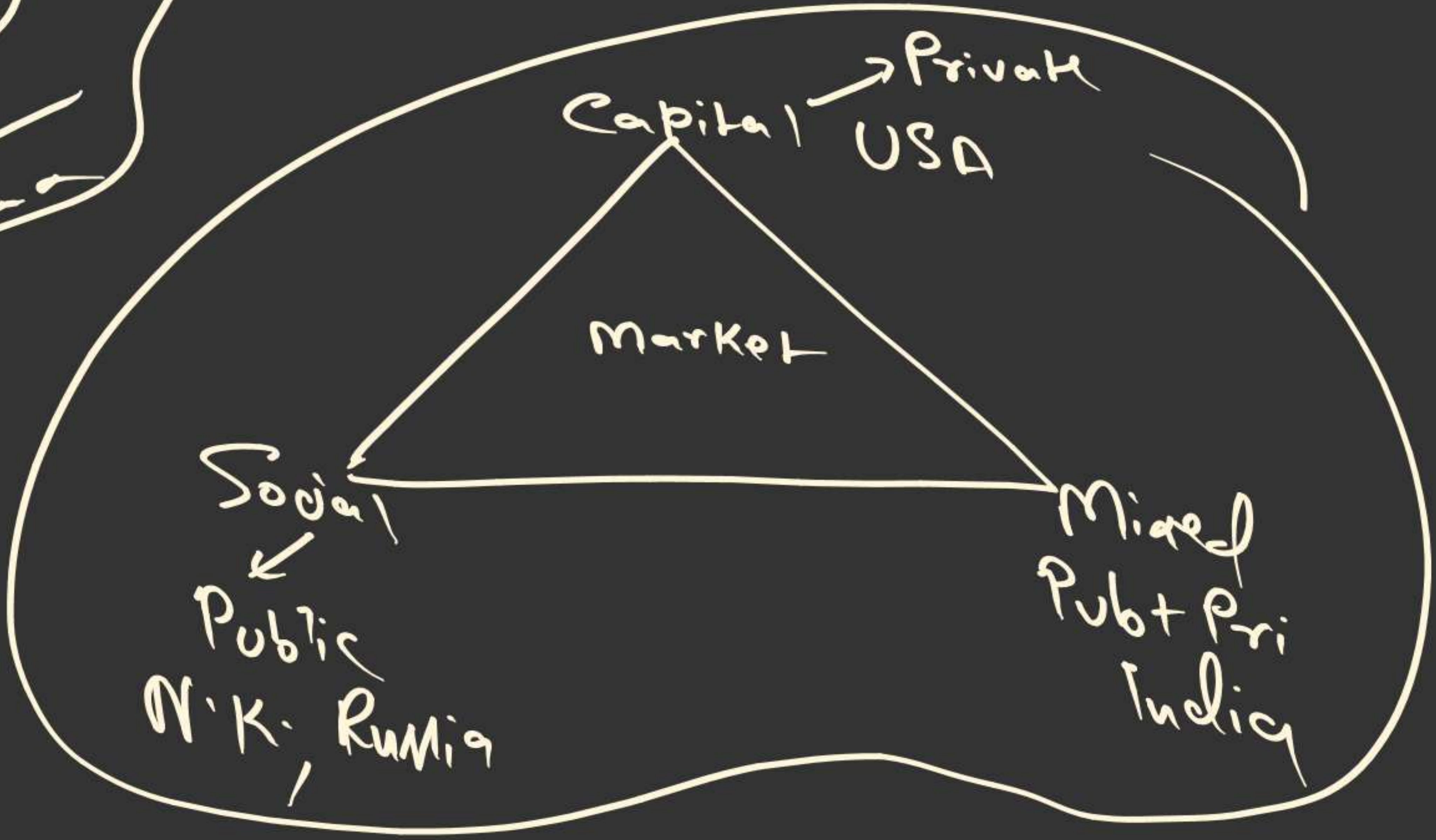

ANSWER : (b)

Question : 06

If the price of a product goes up by 10% and, as a result, the quantity demanded falls by 20%, how would you classify the demand?

यदि किसी उत्पाद की कीमत 10% बढ़ जाती है और परिणामस्वरूप उसकी मांग की गई मात्रा 20% घट जाती है, तो आप मांग को कैसे वर्गीकृत करेंगे?

[SSC CGL Tier 1, 17 Sep 2025, Shift-2]

(a) Demand is elastic / मांग लोचदार है

(b) Demand is inelastic / मांग अलोचदार है

(c) Demand is unitary elastic / मांग एकात्मक लोचदार है

(d) Demand is perfectly elastic / मांग पूर्णतः लोचदार है

ANSWER : (a)

Question : 07

Which of the following statements accurately describes the law of demand in microeconomics?

निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सूक्ष्मअर्थशास्त्र में मांग के नियम का सही वर्णन करता है?

[SSC CGL Tier 1, 25 Sep 2025, Shift-1]

(a) As price increases, demand increases / जैसे-जैसे कीमत बढ़ती है, मांग बढ़ती है

(b) As price decreases, demand decreases / जैसे-जैसे कीमत घटती है, मांग घटती है

(c) As price increases, demand decreases, ceteris paribus / जैसे-जैसे कीमत बढ़ती है, मांग घटती है, अन्य बातें समान रहने पर

(d) Price has no effect on demand / कीमत का मांग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता

ANSWER : (c)

Question : 08

Which curve shows all combinations of two goods that give a consumer equal satisfaction?

कौन-सी वक्र दो वस्तुओं के उन सभी संयोजनों को दर्शाती है जो उपभोक्ता को समान संतुष्टि देती हैं?

[SSC CGL Tier 1, 19 Sep 2025, Shift-3]

(a) Indifference curve / उदासीनता वक्र

(b) Budget constraint / बजट बाधा

(c) Isoquant curve / समोत्पाद वक्र

(d) Marginal cost curve / सीमांत लागत वक्र

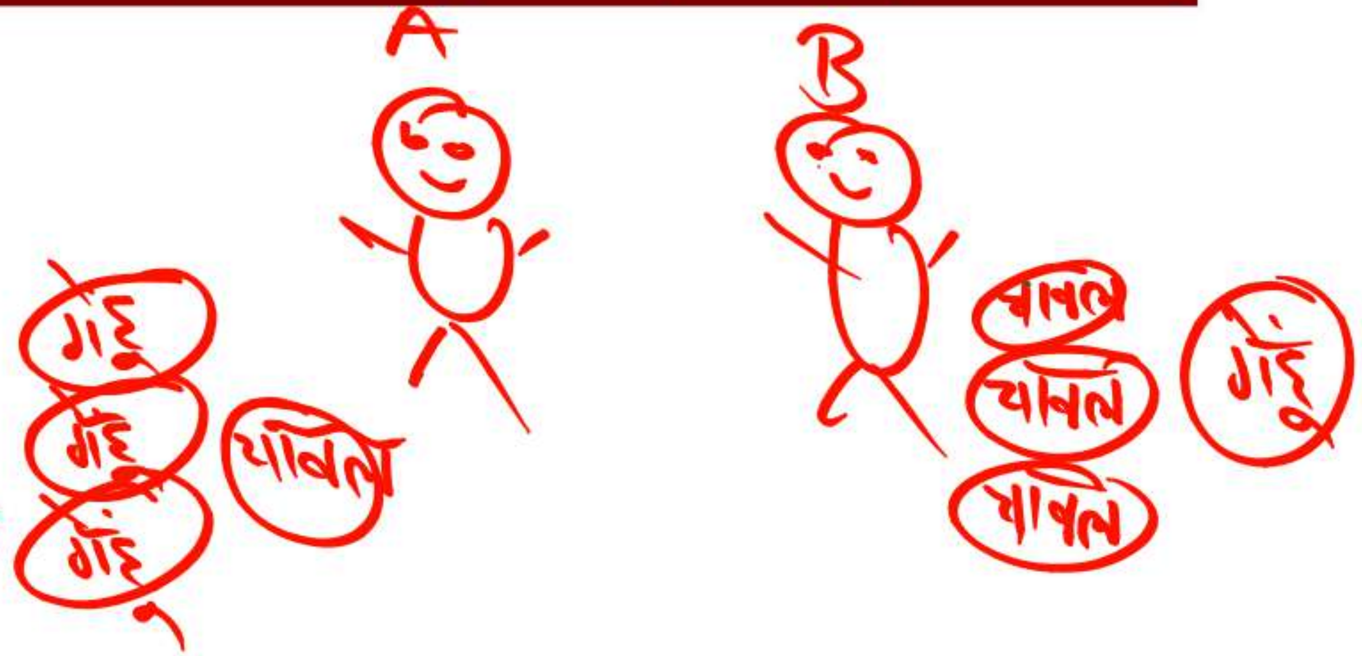

ANSWER : (a)

Question : 09

Which refers to the extent to which demand for a commodity decreases because others are also consuming it?

यह किसे संदर्भित करता है कि किसी वस्तु की मांग किस सीमा तक इसलिए घट जाती है क्योंकि अन्य लोग भी उसका उपभोग कर रहे हैं?

[SSC CGL Tier 1, 25 Sep 2025, Shift-2]

(a) Snob effect / स्नॉब प्रभाव

(b) Demonstration effect / प्रदर्शन प्रभाव

(c) Bandwagon effect / बैंडवैगन प्रभाव

(d) Veblen effect / वेब्लेन प्रभाव

ANSWER : (a)

The Snob Effect describes a situation where the demand for a certain good by an individual varies inversely with the market demand. If a good becomes popular and many people buy it, the "snob" consumer reduces their consumption because the good loses its exclusivity value. This contrasts with the Bandwagon effect, where people buy something because others are buying it.

स्नॉब प्रभाव उस स्थिति का वर्णन करता है जिसमें किसी व्यक्ति द्वारा किसी वस्तु की मांग बाजार की मांग के विपरीत दिशा में बदलती है। यदि कोई वस्तु लोकप्रिय हो जाती है और बहुत से लोग उसे खरीदते हैं, तो “स्नॉब” उपभोक्ता उसका उपभोग कम कर देता है क्योंकि वह वस्तु अपनी विशिष्टता (exclusivity) का मूल्य खो देती है। यह बैंडवैगन प्रभाव के विपरीत है, जहाँ लोग किसी वस्तु को इसलिए खरीदते हैं क्योंकि अन्य लोग भी उसे खरीद रहे होते हैं।

Question : 10

Which of the following represents the "break-even point" for a firm?

निम्नलिखित में से कौन-सा किसी फर्म के "ब्रेक-ईवन पॉइंट" (Break-even point) को दर्शाता है?

30

[SSC CGL Tier 1, 14 Oct 2025]

(a) Marginal revenue equals marginal cost / सीमांत राजस्व = सीमांत लागत

(b) Total revenue equals total cost / कुल राजस्व = कुल लागत

(c) Total revenue exceeds total cost / कुल राजस्व, कुल लागत से अधिक है

(d) Marginal cost is minimized / सीमांत लागत न्यूनतम है

Land -> 5
Labour -> 5
Enterprn -> 5
Capital -> 5
20

ANSWER : (b)